230वें सत्र से संबंधित समापन भाषण

माननीय सदस्यगण,

राज्य सभा का 230वाँ सत्र दो भागों में सम्पन्न हुआ है। इसके पहले भाग में दिसम्बर, 2013 में 10 बैठकें हुई थीं। सत्र पुनः 5 फरवरी, 2014 को आरंभ हुआ। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, आज 21 फरवरी, 2014 को इसका समापन हो रहा है। कुल मिलाकर सभा की 22 बैठकें हुईं हैं।

सभा ने अप्रैल और मई, 2014 में सदस्यता से निवृत्त होने वाले 54 सदस्यों को विदाई दी और उन्हें उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया।

पूरे सत्र के दौरान 2 अल्प-सूचना प्रश्नों को छोड़कर किसी भी तारांकित प्रश्न का मौखिक उत्तर नहीं दिया जा सका। यह बात प्रश्नकाल की ही प्रासंगिकता के बारे में आत्ममंथन करने के लिए विवश करती है। ध्यानाकर्षण अथवा अल्पकालिक चर्चा नहीं की जा सकीं। पूरे सत्र के दौरान सदस्यों द्वारा सभापीठ के समक्ष रिक्त स्थान पर एकत्र होने, नारेबाजी करने और इश्तिहार प्रदर्शित करने से कार्यवाही में लगातार बाधा आती रही। इसके बावजूद, अंतिम कुछ दिनों के दौरान सभा में कार्य हुआ और कुल मिलाकर सत्र के दौरान 17 विधेयक पारित हुए/लौटाए गए।

मैंने महासचिव से इस सत्र से संबंधित सांख्यिकीय सूचना उपलब्ध कराने के लिए कहा है।